टिप्पणी

31

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण : एक परिचय

आप पहले ही 'लाभकारी एवं अलाभकारी सगठनों के वित्तीय विवरण' माड्यूल में वित्तीय विवरण-तुलन पत्र एवं व्यापार एवं लाभ-हानि खाता बनाने के सम्बन्ध में पढ़ चुके हैं। कम्पनी के संदर्भ में व्यापार एवं लाभ–हानि खातें को लाभ–हानि विवरण कहा जाता है। वित्तीय विवरणों के तैयार करने के पश्चात् इनका विश्लेषण किया जा सकता है। इसके लिए जो विधियाँ हैं वह हैं तुलनात्मक विवरण, समान आकारीय विवरण (common size statement), अनुपातिक विश्लेषण, प्रवृत्ति विश्लेषण (Trend analysis), कोष प्रवाह विश्लेषण, रोकड़ प्रवाह विश्लेषण आदि। इस प्रक्रिया के द्वारा तुलना के उद्देश्य से दो या दो से अधिक लेखांकन राशियों के बीच अर्थपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किए जाते हैं। इस पाठ में आप तुलनात्मक विवरण, समान आकार विवरण एवं प्रवृत्ति विश्लेषणों के माध्यम से वित्तीय विवरणों के विश्लेषण को सीखेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् आप :

- स्थिति विवरण के मुख्य एवं उप शीर्षकों को समझ सकेंगे;
- वित्तीय विवरण विश्लेषण का अर्थ, आवश्यकता एवं उद्देश्य को समझा सकेंगे;
- वित्तीय विवरणों में रुचि रखनेवाले पक्षों की पहचान कर सकेंगे;
- वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों एवं विधियों का वर्णन कर सकेगें।

31.1 कम्पनी के वित्तीय विवरण

लाभ–हानि विवरण एवं स्थिति विवरण की विभिन्न मदों को किस रूप में प्रदर्शित करना चाहिए यह कम्पनी अधिनियम–1956 के सारिणी VI भाग I में दिया हुआ है। इन दोनों विवरणों का परिष्कृत प्रारूप सारिणी VI भाग I के अनुसार नीचे दिया गया है :

टिप्पणी

लाभ-हानि विवरण का स्वरूप

लाभ-हानि का विवरण

वर्ष समाप्ति .....

विवरण	*नोट संख्या*	*वर्तमान रिपोर्ट अवधि की राशियां*	*पिछले रिपोर्टिंग अवधि की राशियां*
I. परिचालन से आगम		.....	.....
II. अन्य आय		.....	.....
III. **कुल आगम (I + II)**		.....	.....
IV. **व्यय**			
उपभोग की गई सामग्री की लागत		.....	.....
व्यापारिक स्टॉक का क्रय		.....	.....
तैयार माल, प्रगति में कार्य, स्टॉक, व्यापारिक स्टॉक		.....	.....
कर्मचारियों को दी जाने वाली सुविधाओं पर व्यय		.....	.....
वित्तीय लागत		.....	.....
अवक्षयण एवं व्यय		.....	.....
अन्य व्यय		.....	.....
कुल व्यय		.....	.....
V. **कर पूर्व लाभ (III - IV)**		.....	.....
VI. ***घटा :*** कर		.....	.....
VII. **अवधि का लाभ अथवा हानि (V - VI)**		.....	.....

आप निर्धारित प्रारूप को यदि देखं तो एक स्तम्भ नोट सं. के लिए निर्धारित है। इस का निर्धारण खातों के सम्बन्ध में नोटों में दी गई नोट संख्या से प्रति संदर्भ के लिए किया गया है। खातों से सम्बन्धित नोट में रेखीय मद का विस्तृत वर्णन होता है।

लाभ–हानि विवरण ऐसा विवरण है जो समय अवधि में कम्पनी के निष्पादन को दर्शाता है। यह कम्पनी की वास्तविक परिणाम को दिखाता है अर्थात लेखांकन अवधि के दौरान कितना लाभ अर्जित किया है अथवा हानि हुई है। यह परिचालन क्रियाओं तथा अन्य आय एवं व्यय को संक्षिप्त रूप में दर्शाता है। लाभ एवं हानि वितरण एकल स्वामित्व एवं साझेदारी फर्मों द्वारा तैयार व्यापार खाता एवं लाभ–हानि खाता के समान ही होता है। अन्तर केवल इतना है कि यह खाते के रूप न बनाकर विवरण के रूप में तैयार किया जाता है।

कम्पनी का नाम .....

..... को स्थिति विवरण

विवरण	*नोट संख्या*	*वर्तमान रिपोर्ट अवधि के अंत में संख्याएं*	*पिछले रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संख्याएं*
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक कोष			
(क) अंश पूँजी			
(ख) संचय एवं अधिक्य			
(ग) शेयर वारंट से प्राप्त राशि			
2. अंश आवेदन राशि आवंटन			
3. गैर चालू देयताएं			
(क) दीर्घकालिक ऋण			
(ख) स्थगित कर देनदारी (शुद्ध)			
(ग) अन्य दीर्घ अवधि देयताएं			
(घ) दीर्घ अवधि प्रावधान			
4. चालू देयताएं			
(क) अल्प अवधि ऋण			
(ख) व्यापार देयताएं			
(ग) अन्य चालू देयताएं			
(घ) अल्प अवधि प्रावधान			
कुल योग			
II. परिसम्पत्तियां			
1. गैर चालू सम्पत्तियां			
(क) स्थाई सम्पत्तियां			
(i) मूर्त सम्पतियां			
(ii) अमूर्त सम्तियां			
(iii) कार्य प्रगति पर पूँजी			
(iv) विकासाधीन अमूर्त सम्पत्तियां			
(ख) गैर चालू निवेश			
(ग) स्थगित कर सम्पत्तियां (शुद्ध)			
(घ) दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम			
(ङ) अन्य गैर चालू परिसम्पत्तियां			
2. चालू सम्पत्तियां			
(क) चालू निवेश			
(ख) माल			
(ग) व्यापार प्राप्यताएँ			
(घ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य			
(ङ) लघु अवधि ऋण एवं अग्रिम			
(च) अन्य चालू सम्पत्तियां			
कुल योग			

टिप्पणी

कम्पनी अधिनियम 1956 की सारिणी VI भाग I में स्थिति विवरण में मोटेतौर पर दो भागों में बांटा जा सकता है।

(I) समता एवं देयताएं एवं (II) परिसम्पत्तियां

I. समता एवं देयताएं

समता : यह कम्पनी की अपने अंशधारकों के प्रति देनदारी होती है तथा इसे अंशधारक कोष कहते हैं। इसमें सम्मलित हैं अंश पूँजी, संचय एवं अधिक्य तथा अंश वारंट के बदले में धन की प्राप्ति।

देयताएँ : इसका अर्थ है कम्पनी के बाह्य दायित्व अथवा बाहर के लोगों के प्रति दायित्व। अंश कोष एवं दायित्वों के मध्य स्थिति विवरण के निर्धारत स्वरूप के अनुसार, विचाराधीन आवंटन राशि, स्थान दिया गया है। देयताओं को आगे बांटा गया है (क) गैर चालू देयताएं तथा (ख) चालू देयताएं

गैर चालू देयताओं को, देयताएं जो चालू देयताएं नहीं है, के रूप में परिभाषित किया है। चालू देयताएं वह देयताएं हैं जिन्हें :

i. निपटान की सम्भावना कम्पनी के सामान्य परिचालन चक्र में हैं; अथवा
ii. रिपोर्टिंग तिथि अर्थात स्थिति विवरण तिथि के पश्चात १२ महीनों में इसका निपटान करना होता है; अथवा
iii. मूल रूप से क्रय–विक्रय के उद्देश्य से रखा जाता है।

देयताओं के विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत विभिन्न मदों को दर्शाया जाता है वह निम्न हैं:

(क) दीर्घ अवधि ऋण
   i. ऋण पत्र
   ii. बाँड
   iii. अवधि ऋण
   iv. सार्वजनिक जमा
   v. अन्य ऋण एवं अग्रिम

(ख) चालू देयताएं
   i. अल्प अवधि ऋण
   ii. व्यापार देय
   iii. अन्य चालू देयताएं तथा
   iv. अल्प अवधि प्रावधान

उदाहरण 1 (समता एवं देयताओं का वर्गीकरण)

कम्पनी के स्थिति के भाग 'समता एवं देयताएं' के अंतर्गत प्रमुख शीर्षों का उल्लेख कीजिए।

हल :

'समता एवं देयताओं' के प्रमुख शीर्ष हैं :

- अंश धारक कोष
- अंश आवेदन राशि लम्बित आवंटन
- गैर चालू देयताएं एवं
- चालू देयताएं

उदाहरण 2 (अंश धारक अंशों का वर्गीकरण)

अंश धारक कोष के अन्तर्गत उप–शीर्षों के नाम दीजिए।

हल :

- अंश पूँजी
- संचय एवं आधिक्य
- शेयर वारंट पर प्राप्त राशि

उदाहरण 3 (गैर चालू देयताओं का वर्गीकरण)

सारिणी VI के अन्तर्गत स्थिति विवरण के भाग समता एवं देयताओं में गैर चालू देयताओं के शीर्षों को अन्तर्गत उप शीषर्कों को नाम दीजिए।

हल :

i. दीर्घ अवधि ऋण
ii. स्थगित कर देयताएं (शुद्ध)
iii. अन्य दीर्घ अवधि देयताएं एवं
iv. दीर्घ अवधि प्रावधान

उदाहरण 4 (चालू सम्पत्तियों का वर्गीकरण)

सारिणी VI के अनुसार स्थिति विवरण के भाग समता एवं देयताएं में चालू देयताओं शीर्षक के अन्तर्गत उप शीर्षकों के नाम दीजिए।

हल :

i. लघु अवधि ऋण
ii. व्यापार देय

टिप्पणी

iii. अन्य चालू देयताएं, एवं

iv. अल्प अवधि प्रावधान

उदाहरण 5 (संचय एवं अधिक्य)

संचय एवं अधिक्य के अन्तर्गत दर्शाई जाने वाली कोई पांच मदों के नाम दीजिए :

हल :

i. पूँजीगत संचय

ii. पूँजी शोधन संचय

iii. प्रीमियम संचय

iv. ऋण पत्र शोधन संचय, एवं

v. पुर्नमूल्यांकन संचय

उदाहरण 6 (दीर्घ अवधि ऋण)

कोई चार मदों के नाम दीजिए जिन्हें दीर्घ अवधि ऋणों के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

हल :

i. ऋण पत्र/बांड

ii. बैंक/अन्य पक्षों से अवधिक ऋण

iii. जमा, एवं

iv. दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम

उदाहरण 7

कम्पनी अधिनियम 1956 की सारिणी VI भाग I के अनुसार कम्पनी के स्थिति विवरण में नीचे दी गई मदों को किन प्रमुख शीर्षकों के अन्तर्गत लिखा जाएगा, बताइए :

i. व्यापार देय

ii. कर के लिए प्रावधान

iii. अधिक्य अर्थात लाभ–हानि विवरण में शेष (नाम) तथा

iv. अधिक्य अर्थात लाभ–हानि विवरण में शेष

हल :

क्र.सं	*मद*	*मुख्य शीर्ष*	*उप-शीर्ष*
i.	व्यापार देनदारियां	चालू देयताएं	–––––

ii.	कर के लिए प्रावधान	चालू देयताएं	अल्प अवधि प्रावधान
iii.	अधिक्य अर्थात लाभ–हानि विवरण में शेष (नाम)	संचय एवं अधिक्य	नकारात्मक राशि
iv.	अधिक्य अर्थात लाभ–हानि विवरण में शेष	संचय एवं अधिक्य	–––––

II. परिसम्पत्तियां

देयताओं की भांति परिसम्पत्तियों को भी 'गैर चालू सम्पत्तियां' एवं चालू सम्पत्ति में विभक्त किया जाता है। गैर चालू सम्पत्तियां की परिभाषा है, सम्पत्तियां जो चालू सम्पत्तियां नहीं है। कम्पनी अधिनियम 1956 की सारिणी VI में चालू सम्पत्तियों की परिभाषा इस प्रकार दी है : चालू सम्पत्तियां वह सम्पत्तियां हैं :

i. जिनकी कम्पनी के सामान्य परिचालन चक्र में वसूली अथवा बिक्री की सम्भावना अथवा उपयोग की संभावना हो,

ii. जिनको मूल रूप से क्रय–विक्रय के लिए रखा गया हो;

iii. जिनकी रिपोर्टिंग तिथि अर्थात स्थिति विवरण की तिथि के 12 महीनों के अन्दर वसूली की सम्भावना हो; अथवा

iv. रोकड़ अथवा रोकड़ तुल्य यदि रिपोर्टिंग तिथि अर्थात स्थिति विवरण तिथि के कम से कम 12 महीने के पश्चात उनपर देयता का भुगतान करने अथवा विनिमय करने पर रोक न लगा दी गई हो।

1. गैर चालू सम्पत्तियों

गैर चालू सम्पत्तियों को मुख्य रूप से पाँच मुख्य शीर्षकों में वर्गीकृत किया है, जो नीचे दिए गए हैं :

(क) स्थाई सम्पत्तियां

(ख) गैर चालू निवेश

(ग) स्थगित कर सम्पत्तियां

(घ) दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम एवं

(ङ) अन्य गैर चालू सम्पत्तियां

इन उप शीर्षकों के अन्तर्गत प्रस्तुत भेद निम्नलिखित हैं :

(क) स्थाई सम्पत्तियां

(i) मूर्त सम्पत्तियां

(ii) अमूर्त सम्पत्तियां

(iii) कार्य प्रगति एवं पूँजी

(iv) विकास के अन्तर्गत अमूर्त सम्पत्तियां

(ख) गैर चालू निवेश

(i) सम्पत्ति में निवेश

(ii) समता में निवेश

(iii) पूर्वाधिकार अंश में निवेश

(iv) सरकारी अथवा ट्रस्ट प्रतिभूतियों में निवेश

(v) ऋण पत्र अथवा बाँड में निवेश

(vi) म्यूच्यूअल फंड में निवेश

(vii) साझेदारी फर्म में निवेश एवं

(viii) अन्य गैर चालू निवेश

(ग) दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम

(i) पूँजीगत अग्रिम

(ii) प्रतिभूति जमा

(iii) अन्य ऋण एवं अग्रिम

2. चालू सम्पत्तियां

चालू सम्पत्तियों को निम्न छः शीर्षकों के अन्तर्गत दर्शाया जाता है :

(क) चालू निवेश

(ख) निवेशक

(ग) व्यापार प्राप्तियां

(घ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य

(ङ) अल्प अवधि ऋण एवं अग्रिम एवं

(च) अन्य चालू सम्पत्तियां

31.2 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण (अर्थ, उद्देश्य एवं रूचि रखने वाले पक्ष)

हम यह जानते हैं कि व्यवसाय का संबंध मुख्यतः वित्तीय लेन-देनों से है। व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का निर्धारण करने के लिए प्रत्येक व्यावसायिक इकाई कुछ विवरण तैयार करती है, जिन्हें वित्तीय विवरण कहते हैं। वित्तीय विवरणों को मुख्यतः निर्णय लेने के लिए बनाया जाता है। लेकिन वित्तीय विवरणों में जो सूचना दी गई होती है वह एक

टिप्पणी

अर्थपूर्ण परिणाम निकालने में पर्याप्त रूप से सहायक नहीं होती। इसलिए वित्तीय विवरणों के प्रभावपूर्ण विश्लेषण एवं निर्वचन की आवश्यकता होती है। विश्लेषण का अर्थ दो वित्तीय विवरणों के विभिन्न मदों के मध्य में इस प्रकार का अर्थपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करना है कि उनसे कोई निष्कर्ष निकाला जा सके। वित्तीय विवरणों से हमारा तात्पर्य दो विवरणों से है : (i) लाभ-हानि खाता अथवा आय विवरण (ii) तुलनपत्र अथवा स्थिति विवरण

यह दिए गए समय के अंत में तैयार किए जाते हैं। यह व्यवसाय के लाभ तथा मजबूत वित्तीय स्थिति के द्योतक होते हैं।

वित्तीय विवरण विश्लेषण शब्द को वित्तीय विवरणों का विश्लेषण एवं निर्वचन करना भी कहते हैं। इससे अभिप्राय दो वित्तीय विवरणों अर्थात् आय विवरण एवं स्थिति विवरण की विभिन्न मदों में अर्थपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करना है। यह फर्म की वित्तीय मजबूती एवं कमजोरी का निर्धारण करती है।

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण उद्यम की कार्य क्षमता एवं निष्पादन के मूल्यांकन का प्रयत्न होता है। अतः किसी भी व्यावसायिक इकाई की कार्यक्षमता, लाभप्रदत्ता, वितीय सुदृढ़ता एवं भविष्य की संभावना को मापने के लिए वित्तीय विवरणों का विश्लेषण एवं व्याख्या बहुत आवश्यक है। वित्तीय विश्लेषण निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति करता है :

- **लाभप्रदत्ता का मापन :** किसी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य विनियोजित पूँजी पर संतोष जनक लाभ कमाना है। वित्तीय विश्लेषण यह पता लगाने में कि व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर पर्याप्त लाभ अर्जित है या नहीं सहायक होता है। यह इस बात को भी जानने में सहायक होता है कि क्या व्यवसाय की ब्याज तथा लाभांश भुगतान करने की क्षमता है।
- **उपलब्धियों की प्रवृत्ति को इंगित करना :** पिछले वर्षों के वित्तीय विवरणों की तुलना की जा सकती है। विभिन्न व्यय, क्रय, विक्रय, सकल लाभ एवं शुद्ध लाभ आदि की प्रवृत्ति का निर्धारण किया जा सकता है। परिसम्पत्तियों एवं देयताओं की तुलना की जा सकती है तथा व्यवसाय की भविष्य की संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।
- **व्यवसाय के विकास की क्षमता का आकलन :** व्यवसाय की प्रवृत्ति एवं अन्य विश्लेषण व्यवसाय के विकास की क्षमता को इंगित करते हुए पर्याप्त सूचना उपलबध कराते है।
- **अन्य फर्मों के सम्बंध में तुलनात्मक स्थिति :** वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उद्देश्य प्रबन्ध की इसी प्रकार के व्यवसाय में लगी हुई विभिन्न फर्मों की लाभदायकता का तुलनात्मक अध्ययन करने में सहायता करना है। ऐसी तुलना से प्रबन्ध को अपनी फर्म के बिक्री व्यय, लाभदायकता तथा कार्यशील पूँजी इत्यादि की स्थिति के सम्बन्ध में अध्ययन करने में सहायता मिलती है।

- **कुल वित्तीय सुदृढ़ता का मूल्यांकन :** वित्तीय विश्लेषण का उद्देश्य व्यवसाय की वित्तीय सार्मथ्य को आकना है। विश्लेषण कुछ निर्णय लेने में भी सहायता करता है जैसे कि क्या नई मशीन एवं उपकरणों की खरीद के लिए आवश्यक धन व्यवसाय के आन्तरिक स्रोतों से उपलब्ध हो पाएगा अथवा नहीं? यदि हाँ तो कितना? तथा इसका मूल्यांकन कि कितना धन बाह्य स्रोतों से जुटाया गया है।
- **फर्म की शोधन क्षमता का मूल्यांकन :** विश्लेषण के विभिन्न साधनों से पता लग जाता है कि क्या फर्म के पास अपने अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त कोष है या नहीं।

रुचि रखनेवाले पक्ष

वित्तीय विवरण के विश्लेषण का महत्त्व व्यवसाय की इकाई के वित्तीय परिणाम जानने वाले विभिन्न पक्षों की रुचि के कारण बहुत महत्त्वपूर्ण है। विभिन्न पक्ष जो वित्तीय विश्लेषण में रुचि रखते हैं वह निम्न हैं :

(i) निवेशक : व्यवसाय के अंशधारी अथवा स्वामी व्यवसाय की भलाई में रुचि रखते हैं। वह व्यवसाय की अर्जन क्षमता एवं भविष्य में विकास की संभावनाओं के विषय में जानना चाहते हैं।

(ii) प्रबन्धक : प्रबन्धक समस्त व्यवसाय तथा विभिन्न प्रभागों की वित्तीय स्थिति तथा निष्पादन में रुचि रखते हैं। यह उन्हें बजट बनाने तथा विभिन्न विभागाध्यक्षों के निष्पादन के मूल्यांकन में सहायता करते हैं।

(iii) श्रमिक संघ : ये वित्तीय विवरणों में प्रबन्ध के साथ मजदूरी या वेतन या बोनस के समझौते के कारण रुचि रखते हैं।

(iv) ऋणदाता : व्यवसाय को ऋण देने वाले जैसे कि ऋणपत्र धारक, ऋण एवं पट्टे पर देने वाली व्यावसायिक इकाई की अल्प अवधि एवं दीर्घ अवधि शोधन क्षमता के सम्बन्ध में जानना चाहते हैं।

(v) आपूर्तिकर्ता एवं व्यापारिक लेनदार : आपूर्तिकर्ता एवं अन्य लेनदार व्यवसाय की शोधन क्षमता के सम्बन्ध में जानना चाहते हैं। अर्थात् कम्पनी की ऋणों की भुगतान तिथि पर भुगतान की कितनी क्षमता है।

(vi) कर अधिकारी : कर अधिकारी वित्तीय विवरणों में कर के दायित्व के निर्धारण के लिए रुचि रखते हैं।

(vii) अनुसंधानकर्ता : ये व्यवसाय के कार्यों में अनुसंधान करने के लिए वित्तीय विवरणों में रुचि रखते हैं।

(viii) कर्मचारी : इनकी रुचि व्यावसायिक लाभ के विकास में होती है। इसकी जानकारी होने पर यह और अच्छा पारिश्रमिक एवं कार्य की श्रेष्ठ परिस्थितियों की मांग कर सकते हैं।

टिप्पणी

(ix) सरकार एवं इसकी एजेंसियाँ : सरकार एवं इसकी विभिन्न एजेंसियों को उद्यमों/उद्योग धंधों की गतिविधियों के नियमन एवं कर नीति निर्धारण के लिए वित्तीय सूचना की आवश्यकता होती है। वह नीति निर्धारण एवं नियमन के उपायों को बताते हैं।

(x) स्टॉक एक्सचेंज : स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य विश्लेषण के उद्देश्य से वित्तीय विवरणों में रुचि रखते हैं क्योंकि इनसे उन्हें कम्पनियों के सम्बन्ध में उपयोगी सूचनाएँ प्राप्त होती हैं।

इस प्रकार से हम देखते हैं कि विभिन्न पक्ष अलग-अलग कारणों से वित्तीय विवरणों में रुचि रखते हैं।

वित्तीय विश्लेषण की सीमाएं

वित्तीय विश्लेषण रूचि रखने वाले पक्षों को व्यावसायिक उद्यम की अर्जन क्षमता एवं वित्तीय सुदृढ़ स्थिति का आंकलन करने में सहायक होता है। लेकिन इस विश्लेषण की कुछ अपनी सीमाएं हैं। वित्तीय विश्लेषण द्वारा उपलब्ध कराई सूचनाओं का उपयोग करते समय इन सीमाओं को ध्यान में रखना चाहिए। कुछ सीमाएं निम्न हैं :

i. **वित्तीय विश्लेषण की सीमाएं :** वित्तीय विश्लेषण वित्तीय विवरणों पर आधारित है। लेकिन वित्तीय विवरणों की अपनी कुछ सीमाएं हैं, इसलिए वित्तीय विवरणों की सीमाएं उनके विश्लेषण की भी सीमाएं हैं। उदाहरण के लिए (क) कभी–कभी वित्तीय विवरणों में दी गई सूचनाएं अधूरी एवं पुष्ट नहीं होती है। (ख) वित्तीय विवरण लेखांकन अवधारणाओं एवं परिपाटियों पर आधारित होते है। इसलिए वित्तीय विश्लेषण की उपयोगिता वित्तीय विवरणों की कमियों के कारण घट जाती है।

ii. **दिखावे से प्रभावित :** कई फर्में लेखांकन तिथि के पहले अपनी बुरी वित्तीय स्थिति को छुपाने के लिए वित्तीय विवरणों को बढ़ा–चढ़ा कर दिखाते हैं। उदाहरणार्थ वर्ष के अंत में किए क्रय को नहीं दिखांएगे अथवा अन्तिम स्टॉक का मूल्य बढ़ाकर दर्शाएंगे। ऐसे मामलों में वित्तीय विवरणों से विश्लेषण से प्राप्त परिणाम गलत दिशा दिखाएंगे।

iii. **विभिन्न लेखांकन नीतियां :** यदि दो फर्में अलग–अलग नीतियां अपनाती हैं तो दोनों में तुलना विश्वसनीय नहीं होगी। उदाहरण के लिए एक फर्म अवक्षयण मूल लागत पद्धति से लगा रही है, जबकि दूसरी घटते मूल्य पद्धति को अपना रही है। इसी प्रकार से अन्तिम स्टॉक के मूल्यांकन की पद्धति भी एक फर्म से दूसरी में भिन्न हो सकती है। ऐसी फर्मों के वित्तीय विवरणों की तुलना से जो परिणाम प्राप्त होंगे वह गुमराह करने वाली तस्वीर पेश करेंगे।

iv. **भविष्यवाणी में कठिनाई :** वित्तीय विवरण पिछली घटनाओं और एतिहासिक तथ्यों का लेखा होते हैं। आज के तेजी से बदलते एवं विकास करते व्यवसाय पिछले

टिप्पणी

वर्षों की सूचना का विश्लेषण भविष्यवाणी के लिए हो सकता है कि अधिक उपयोगी न हो। उत्पाद की मांग फर्म की नीतियों प्रतियोगिता की स्थिति आदि में निरन्तर परिवर्तन हो रहे है। अतः एतिहासिक तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर अनुमान भविष्य में नहीं किए जा सकते।

v. **गुणात्मक विश्लेषण की कमी :** वित्तीय विवरण केवल उन लेनदेनों का अभिलेखन करता है जो मुद्रा में प्रदर्शित किए जाते है। अतः व्यवसाय का गुणात्मक पक्ष लेखा पुस्तकों में स्थान नहीं पाता क्योंकि इनको मुद्रा में नहीं दर्शाया जा सकता। अतः प्रबन्ध में परिवर्तन, व्यवसाय की छवि/प्रसिद्धि, प्रबन्ध श्रम के बीच सद्भावना पूर्ण सम्बन्ध फर्म की नए उत्पाद विकसित करने की योग्यता, प्रबन्ध की कार्य क्षमता फर्म के ग्राहकों की संतुष्टि क्योंकि गुणात्मक होते हैं, इसलिए इन्हें अभिलेखन में अनदेखी की जाती है तथा अभिलेखन से बाहर रखा जाता है, जबकि कम्पनी की लाभ प्रदत्ता पर इनका अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।

vi. **वित्तीय विवरणों के एक वर्ष के विश्लेषण की सीमित उपयोगिता होती है :** वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम का महत्व तभी है जबकि उनकी तुलना पिछले वर्षों की आंकड़ों से की जाए। उदाहरण के लिए माना बिक्री पर लाभ 12% है, ये संतोषजनक है या नहीं यह पिछले वर्षों के आंकड़ों पर निर्भर करेगा। यदि फर्म ने पिछले वर्ष में बिक्री पर 10% लाभ कमाया है तो माना जाएगा कि इस वर्ष इनका प्रदर्शन श्रेष्ट रहा है। लेकिन हो सकता है कि लेखांकन नीतियों में परिवर्तन के कारण दो वर्षों के वित्तीय विवरणों की तुलना न की जा सके।

उपरोक्त सीमाओं से यह स्पष्ट है कि वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से प्राप्त परिणामों को व्यवसाय की शक्ति अथवा कमी को सही सूचक नहीं माना जाना चाहिए। विश्लेषण से प्राप्त परिणामों को ध्यान से तथा संभल कर पढ़ना चाहिए। इन विश्लेषणों से प्राप्त परिणामों के आधार पर लिए गए निर्णय लेते समय इन सीमाओं को ध्यान में रखना चाहिए।

पाठगत प्रश्न 31.1

I. उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) वित्तीय विवरण ..... एवं ..... होते हैं।

(ii) वित्तीय विश्लेषण शब्द में ..... एवं ..... दोनों ही सम्मिलित हैं।

(iii) व्यवसाय की वित्तीय स्थिति के लिए प्रत्येक उद्यम एक ..... विवरण बनाता है।

(iv) वित्तीय विवरण मुख्यतः ..... के उद्देश्य से बनाए जाते हैं।

II. नीचे दो स्तंभ दिए गए है। स्तम्भ I में विश्लेषण में रुचि रखने वाले पक्ष तथा स्तम्भ II में उनकी रुचि का विषय दिए गए हैं। इन स्तम्भों का मिलान कीजिए:

स्तम्भ I		*स्तम्भ II*	
(i)	प्रबन्ध	(क)	व्यवसाय की शोधन क्षमता
(ii)	कर्मचारी	(ख)	लाभप्रदत्ता
(iii)	अंशधारी	(ग)	इकाई का कुल मिलाकर निष्पादन
(iv)	आपूर्तिकर्ता एवं लेनदार	(घ)	अच्छा प्रतिफल

31.3 वित्तीय विवरण विश्लेषण की विधियाँ (Technique and Tools)

वित्तीय विवरण व्यावसायिक इकाई की सम्पत्तियों, देयताओं, समता, संचय, व्ययों एवं लाभ तथा हानि के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं लेकिन इनको इनमें रुचि रखनेवाला पक्ष जैसे कि लेनदार, अंशधारी, निवेशकर्ता आदि सरलता से समझ नहीं सकता। इसलिए वित्तीय विवरणों के विश्लेषण एवं व्याख्या के लिए विभिन्न तकनीक/पद्धतियाँ अपनाई जाती हैं। इन तकनीकों को मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभक्त किया जा सकता है।

(i) प्रतिनिध्यात्मक विश्लेषण (Cross Sectional Analysis) : इसे अंतः फर्म तुलना करना भी कहते हैं। इस विश्लेषण से किसी भी इकाई की एक विशेष लेखा अवधि की वित्तीय विशेषताओं का उसी लेखा अवधि की किसी दूसरी इकाई की वित्तीय विशेषताओं की तुलना करने में सहायता मिलती है। उदाहरण के लिए माना A कम्पनी ने विनियोजित पूँजी पर 15% लाभ अर्जित किया है तो इससे यह पता नहीं लगता कि यह पर्याप्त है अथवा नहीं। लेकिन यदि हम विश्लेषण कर यह पाएँ की इसी अवधि में उसी प्रकार की B कम्पनी ने 16% लाभ कमाया है तो अब हम इस परिणाम पर पहुंच सकते हैं कि B कम्पनी श्रेष्ठत्तर है। अब यह विश्लेषण अर्थपूर्ण हुआ।

(ii) समय शृंखला विश्लेषण (Time Series Analysis) : यह भी अंतः फर्म तुलना कहलाता है। इस पद्धति से वित्तीय विवरण की विभिन्न मदों के बीच सम्बन्ध स्थापित किए जाते हैं, तुलना की जाती हैं तथा परिणामों पर पहुंचा जाता है। तुलना के आधार निम्नलिखित हैं :

- एक ही व्यवसायिक इकाई के विभिन्न वर्षों के वित्तीय विवरणों के बीच तुलना।
- एक ही विशिष्ट वर्ष के अलग-अलग व्यावसायिक इकाइयों के वित्तीय विवरणों के बीच तुलना।

(iii) प्रतिनिध्यात्मक सहित समय शृंखला विश्लेषण (Cross-Sectional Cum Time Series Analysis) : यह विश्लेषण दो या दो से अधिक व्यावसायिक इकाइयों के निर्धारित लेखांकन अवधि के वित्तीय विशेषताओं की तुलना के लिए किया जाता है। वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की यह सबसे अधिक प्रभावी पद्धति है।

टिप्पणी

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण एवं व्याख्या को वित्तीय स्थिति निर्धारण के लिए प्रयुक्त किया जाता है। वित्तीय विवरणों के बीच सम्बन्धों के अध्ययन के लिए कई विधियों का उपयोग किया जाता है। वित्तीय विवरणों के विश्लेषण एवं व्याख्या के लिए उपयोग में लाई जाने वाली पद्धतियों में से कुछ महत्त्वपूर्ण पद्धतियाँ नीचे दी गई हैं :

- तुलनात्मक वित्तीय विवरण,
- समान आकारीय विवरण
- प्रवृत्ति विश्लेषण
- अनुपात विश्लेषण
- कोष प्रवाह विश्लेषण
- रोकड़ प्रवाह विश्लेषण

• तुलनात्मक वित्तीय विवरण (Comparative Financial Statements)

संक्षेप में वित्तीय विवरणों का तुलनात्मक अध्ययन व्यवसाय के वित्तीय विवरणों की उसके पिछले वर्ष के वित्तीय विवरणों से तुलना है। इसके कारण कमजोर पक्षों की पहचान की जा सकती है तथा सुधारात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। तुलनात्मक स्वरूप में विश्लेषण के उद्देश्य में व्यावहारिक रूप से दो वित्तीय विवरण बनाए जाते हैं—(स्थिति विवरण एवं आय विवरण)।

1. **तुलनात्मक स्थिति विवरण :** तुलनात्मक स्थिति विवरण किसी इकाई की विभिन्न परिसम्पत्तियों एवं देयताओं को एक तिथि को दिखाए शेषों को दूसरी तिथि के शेषों से तुलना को दर्शता है। तुलनात्मक स्थिति विवरण में मूल स्थिति विवरणों की राशियों के लिए दो स्तम्भ होते हैं। तीसरा स्तम्भ राशियों में परिवर्तन (वृद्धि/कमी) को दिखाने के लिए होता है। एक चौथा स्तम्भ भी जोड़ा जा सकता है जिसमें वृद्धि अथवा कमी को प्रतिशत में दिखाया जाता है। तुलनात्मक स्थिति विवरण की व्याख्या करते समय व्याख्याकर्ता से निम्नलिखित पहलुओं का अध्ययन अपेक्षित है :

   (i) चालू वित्तीय स्थिति एवं तरलता स्थिति

   (ii) दीर्घ अवधि वित्तीय स्थिति

   (iii) व्यवसाय की लाभप्रदत्ता

   (i) किसी इकाई की चालू वित्तीय स्थिति अथवा तरलता स्थिति के अध्ययन के लिए दोनों वर्षों की कार्यशील पूँजी का अध्ययन किया जाता है। कार्यशील पूँजी चालू देयताओं पर चालू सम्पत्तियों के आधिक्य को कहते हैं।

   (ii) व्यवसाय की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिति का अध्ययन करने के लिए स्थायी सम्पत्तियों, दीर्घ अवधि देयताओं एवं पूँजी का अध्ययन करना चाहिए।

   (iii) तुलनात्मक वित्तीय स्थिति के अध्ययन का अगला पहलू व्यवसाय की लाभप्रदता का अध्ययन है। लाभ में वृद्धि अथवा कमी का अध्ययन व्याख्याकर्ता को यह जांचने में सहायक होगा कि व्यवसाय की लाभ कमाने की स्थिति में सुधार हुआ है अथवा नहीं।

टिप्पणी

विभिन्न सम्पत्तियों एवं देयताओं के अध्ययन के पश्चात् व्यवसाय की वित्तीय स्थिति के सम्बन्ध में विचार बनाना चाहिए।

तुलनात्मक स्थिति विवरण का प्रारूप

तुलनात्मक स्थिति विवरण

..... को

विवरण	*नोट संख्या*	*पिछला वर्ष (क)*	*वर्तमान वर्ष (ख)*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी ग = ख – क*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी घ = ग/क x 100*
I. समता एवं देयताएं					
1. अंशधारक कोष					
(क) अंश पूँजी					
(i) समता अंश पूँजी					
(ii) पूर्वाधिकार अंश पूँजी					
(ख) संचय एवं अधिक्य					
2. गैर चालू देयताएँ					
(i) दीर्घकालिक ऋण					
(ii) दीर्घकालिक प्रावधान					
3. चालू देयताएं					
(i) अल्पकालिक ऋण					
(ii) व्यापारिक देयताएं					
(iii) अन्य चालू देयताएं					
(iv) अल्पकालिक प्रावधान					
कुल योग					
II. सम्पत्तियां					
1. गैर चालू सम्पत्तियां					
(क) स्थाई सम्पत्तियां					
(i) वास्तविक					
(ii) अवास्तविक					
(ख) गैर चालू निवेश					
(ग) दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम					
2. चालू सम्पत्तियां					
(क) चालू निवेश					
(ख) रहतिया					
(ग) व्यापार प्राप्ताएं					
(घ) रोकड एवं रोकड़ सभ्य					
(ड) अल्प कालिक ऋण एवं अग्रिम					
(च) अन्य चालू सम्पत्तियां					
कुल योग					

टिप्पणी

उदाहरण 8

एक्स लि. के 31 मार्च 2014 एवं 2013 के नीचे दिए गए स्थिति विवरण से तुलनात्मक स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

स्थिति विवरण

31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2013 को

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2014*	*31 मार्च 2013*
I. समता एवं देयताएं			
i. अंशधारक कोष			
1. अंश पूंजी समता		18,00,000	12,00,000
2. गैर चालू देयताएं			
दीर्घकालिक ऋण 8% ऋण पत्र (सुरक्षित)		6,00,000	6,00,000
3. चालू देयताएं			
व्यापार देयताएं		6,00,000	3,00,000
		30,00,000	21,00,000
II. सम्पत्तियां			
1. गैर चालू सम्पत्तियां			
स्थाई सम्पत्तियां : मूर्त सम्पत्तियां		18,00,000	15,00,000
2. चालू सम्पत्तियां			
(क) व्यापार प्राप्तांए		10,00,000	5,00,000
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		2,00,000	1,00,000
		30,00,000	21,00,000

हल :

एक्स लि.

तुलनात्मक स्थिति विवरण

31 मार्च 2013 एवं 2014 को

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013 (क)*	*31 मार्च 2014 (ख)*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी ग = ख – क*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी घ = ग/क X 100*
I. समता एवं देयताएं					
i. अंशधारक कोष					
1. अंश पूँजी समता		12,00,000	18,00,000	6,00,000	50%
2. गैर चालू देयताएँ					
दीर्घकालिक ऋण :					
8% ऋण पत्र (सुरक्षित)		6,00,000	6,00,000		
3. चालू देयताएँ					
व्यापार देयताएँ		3,00,000	6,00,000	3,00,000	100%
कुल योग		**21,00,000**	**30,00,000**	**9,00,000**	**42.86%**

टिप्पणी

II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
स्थाई सम्पत्तियाँ					
मूर्त सम्पत्तियाँ		15,00,000	18,00,000	3,00,000	20%
2. चालू सम्पत्तियाँ					
(क) व्यापार सम्पत्तियाँ		5,00,000	10,00,000	5,00,000	100%
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		1,00,000	2,00,000	1,00,000	100%
कुल योग		**21,00,000**	**30,00,000**	**9,00,000**	**42.86%**

उदाहरण 9

XY लिमिटेड का तुलनात्मक स्थिति विवरण बनाएं।

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2014*	*31 मार्च 2013*
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक कोष			
(क) अंश पूँजी : समता अंश पूँजी		3,60,000	3,00,000
(ख) संचय एवं अतिरेक		1,50,000	1,20,000
2. गैर चालू देयताएं			
दीर्घकालिक ऋण		2,55,000	1,70,000
3. चालू देयताएं			
व्यापार देयताएं		1,20,000	1,50,000
कुल योग		**8,85,000**	**7,40,000**
II. सम्पत्तियां			
1. गैर चालू सम्पत्ति			
(क) स्थाई सम्पत्तियाँ			
(i) मूर्त सम्पत्तियाँ		6,50,000	5,00,000
(ii) अमूर्त सम्पत्तियाँ		1,00,000	1,00,000
2. चालू सम्पत्ति			
(क) व्यापार प्राप्ताएं		1,25,000	1,20,000
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		10,000	20,000
कुल योग		**8,85,000**	**7,74,000**

हल :

XY का तुलनात्मक स्थिति विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013 (क)*	*31 मार्च 2014 (ख)*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी ग = ख – क*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी घ = ग/क X 100*
I. समता एवं देयताएं					
1. अंश धारक कोष					
(क) अंश पूँजी : समता अंश पूंजी		3,00,000	3,60,000	60,000	20%
(ख) संयच एवं अतिरेक		1,20,000	1,50,000	30,000	25%

टिप्पणी

2. गैर चालू देयताएं					
दीर्घकालिक ऋण		1,70,000	2,55,000	85,000	50%
3. चालू देयताएं					
व्यापार देयताएं		1,50,000	1,20,000	(30,000)	(20%)
कुल योग		**7,40,000**	**8,85,000**	**1,45,000**	**19.60%**
II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
(क) स्थाई सम्पत्तियां					
i. मूर्त सम्पत्तियां		50,000	6,50,000	1,50,000	30%
ii. अमूर्त सम्पत्तियां		1,00,000	1,00,000	----	----
2. चालू सम्पत्तियाँ					
(क) व्यापार प्राप्ताएं		1,20,000	1,25,000	5,000	4.17%
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुलय		20,000	10,000	(10,000)	50%
कुल योग		**7,40,000**	**8,85,000**	**1,45,000**	**19.60%**

तुलनात्मक आय विवरण/लाभ-हानि विवरण

आय विवरण से व्यवसाय के परिचालन के परिणामों का पता चलता है। यह विवरण परम्परागत रूप से व्यापार एवं लाभ-हानि खाता कहलाता है। आय विवरण के महत्त्वपूर्ण घटक है शुद्ध विक्रय, विक्रय किए माल की लागत, विक्रय व्यय, कार्यालयी व्यय आदि। उपर्युक्त घटकों की राशियों का अलग-अलग से पिछले वर्षों की सम्बन्धित राशियों से मिलान किया जाता है तथा उनमें आने वाले परिवर्तनों को नोट किया जाता है। तुलनात्मक आय विवरण व्यवसाय की कुछ अवधि की उन्नति को दिखाता है। मुद्रा के मूल्य में तथा प्रतिशत में अन्तर का निर्धारण व्यवसाय की लाभप्रदत्ता का विश्लेषण करने के लिए किया जा सकता है। तुलनात्मक स्थिति विवरण के समान आय विवरण में भी चार स्तम्भ होते हैं। प्रथम दो स्तम्भों में विभिन्न मदों की दो वर्षों की राशियों को दिखाया जाता है। तीसरे एवं चौथे स्तम्भों में क्रमशः राशि में वास्तविक एवं प्रतिशत में वृद्धि अथवा कमी को दर्शाया जाता है।

आय विवरण के विश्लेषण एवं व्याख्या में निम्न सम्मिलित हैं :

- बिक्री में वृद्धि अथवा कमी की बिक्री किए गए माल की लागत में वृद्धि अथवा कमी से तुलना की जानी चाहिए।
- परिचालन लाभ का अध्ययन करना चाहिए।
- शुद्ध लाभ में वृद्धि अथवा कमी की गणना की जाती है जो व्यवसाय की कुल लाभप्रदत्ता को बताती है।

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण का प्रारूप

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण

31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013*	*31 मार्च 2014*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी*
I. परिचालन से आय					
II. अन्य आय					
III. **कुल आय (I + II)**					
IV. व्यय					
(क) उपयोग किए माल की लागत					
(ख) रहतिया का क्रय					
(ग) तैयार ताल, प्रगति के माल एवं माल के स्टॉक में परिवर्तन					
(घ) कर्मचारी लाभ व्यय					
(ङ) वित्तीय लागत					
(च) अवक्षयण एवं व्यय					
(छ) अन्य व्यय					
कुल योग					
V. कर पूर्व लाभ (III-IV)					
VI. *घटा : कर*					
VII. कर बाद लाभ					

उदाहरण 10

निम्न से तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण बनाइए–

विवरण	*नोट सं.*	*31 मार्च 2012 (₹)*	*31 मार्च 2011 (₹)*
परिचालन से आय		15,00,000	10,00,000
व्यय		10,50,000	6,00,000
अन्य आय		1,80,000	2,00,000

हल :

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2013	31 मार्च 2014	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय		10,00,000	15,00,000	5,00,000	50%
II. अन्य आय		2,00,000	1,80,000	(20,000)	(10%)
III. कुल आय (I + II)		12,00,000	16,80,000	4,80,000	40%
IV. घटा : व्यय		6,00,000	10,50,000	4,50,000	75%
V. कर पूर्व लाभ (III + IV)		6,00,000	6,30,000	30,000	5%

उदाहरण 11

स्टार लि. के नीचे दिए लाभ–हानि विवरण, 31 मार्च 2011 एवं 2012 को समाप्त वर्षों के तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण तैयार कीजिए।

	31 मार्च 2012 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
परिचालन से आय	20,00,000	16,00,000
कर्मचारी लाभ व्यय	10,00,000	8,00,000
अन्य व्यय	1,00,000	2,00,000

हल :

लाभ-हानि का तुलनात्मक विवरण
वर्ष समाप्त 31 मार्च 2011 एवं 2012

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2012	31 मार्च 2013	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय		16,00,000	20,00,000	4,00,000	25%
II. घटा में व्यय					
(क) कर्मचारी लाभ व्यय		8,00,000	10,00,000	2,00,000	25%
(ख) अन्य व्यय		2,00,000	1,00,000	(1,00,000)	(5%)
III. कुल व्यय		10,00,000	11,00,000	1,00,000	10%
IV. कर पूर्व लाभ (I - III)		6,00,000	9,00,000	3,00,000	50%

उदाहरण 12

नीचे गोल्ड स्टार लि. के लाभ–हानि विवरण से वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2014 एवं 2013 के लिए सूचना दी गई है –

विवरण	*नोट सं.*	*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (₹)*
परिचालन से आय		40,00,000	32,00,000
कर्मचारी लाभ व्यय		20,00,000	16,00,000
अवक्षयण एवं व्यय		50,000	40,000
अन्य व्यय		1,50,000	3,60,000
कर दर 30%			

हल :

लाभ-हानि तुलनात्मक विवरण
वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2013 एवं 2014

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013*	*31 मार्च 2014*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी*
I. परिचालन से आय		32,00,000	40,00,000	8,00,000	25%
II. व्यय					
(क) कर्मचारी लाभ व्यय		16,00,000	20,00,000	4,00,000	25%
(ख) अवक्षयण एवं व्यय		40,000	50,000	10,000	25%
(ग) अन्य व्यय		3,60,000	1,50,000	(2,10,000)	(58.33)
कुल व्यय		**20,00,000**	**22,00,000**	**2,00,000**	**10%**
III. **कर पूर्व लाभ (I - II)**		**12,00,000**	**18,00,000**	**6,00,000**	**50%**
घटा : कर 30%		3,60,000	5,40,000	1,80,000	50%
IV. कर पश्चात लाभ		**8,40,000**	**12,60,000**	**4,20,000**	**50%**

उदाहरण 13

निम्न से तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण बनाइए।

विवरण	*नोट सं.*	*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (₹)*
परिचालन से आय		8,00,000	4,20,000
व्यापारिक स्कंध का क्रय		4,50,000	2,50,000
व्यापारिक स्कंध में परिवर्तन		50,000	50,000
अन्य व्यय (विक्रय माल की लागत का प्रतिशत)		8%	10%
कर		30%	30%

टिप्पणी

हल :

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2013	31 मार्च 2014	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय (विक्रय)		4,20,000	8,00,000	3,80,000	90.47
II. व्यय					
(क) व्यापारिक स्कंध का क्रय		2,50,000	4,50,000	2,00,000	80.00
(ख) व्यापारिक स्कंध में परिवर्तन		50,000	50,000	--	--
(ग) अन्य व्यय		30,000	40,000	10,000	33.33
कुल व्यय		**3,30,000**	**5,40,000**	**2,10,000**	**63.64**
III. **कर पूर्व लाभ (I - II)**		**90,000**	**2,60,000**	**1,70,000**	**188.89**
घटा : कर		27,000	78,000	51,000	188.89
IV. **कर पश्चात लाभ**		**63,000**	**1,82,000**	**1,19,000**	**188.89**

नोट : विक्रय माल की लागत = क्रय + स्कंध में परिवर्तन

पाठगत प्रश्न 31.2

रिक्त स्थानों की उचित शब्द भरकर पूर्ति कीजिए :

i. समय सारणी विश्लेषण ..... की विधि है।

ii. तुलनात्मक वित्तीय विवरण विश्लेषण का ..... है।

iii. ..... व्यवसाय के वित्तीय विवरण का पिछले वर्ष के वित्तीय विवरण की तुलना है।

iv. तुलनात्मक ..... फर्म के विभिन्न परिसंपत्तियों एवं देयताओं को विभिन्न तिथियों पर दर्शाता है किसी तिथि से दूसरी तिथि के बीच शेषों की तुलना करता है।

v. ..... आय विवरण व्यवसाय की एक समय अवधि में प्रगति को दर्शाता है।

31.4 समान आकार विवरण एवं प्रवृत्ति विश्लेषण

समान आकार विवरणों (स्थिति विवरण एवं आय विवरण) को विश्लेषणात्मक प्रतिशत में प्रस्तुत किया जाता है। इन विवरणों की राशियों को क्रमशः कुल सम्पत्तियों, कुल देयताओं एवं कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में दिखाया जाता है। आइए स्थिति विवरण का उदाहरण लें। कुल सम्पत्तियों को 100 मान लिया जाता है तथा विभिन्न सम्पत्तियों को कुल के प्रतिशत के रूप में दिखाया जाता है। इसी प्रकार से विभिन्न देयताओं के कुल देयताओं के भाग के रूप में लिया जाता है।

समान आकार स्थिति विवरण

एक ऐसा विवरण जिसमें स्थिति विवरणों की मदों को इस प्रकार से अनुपात में प्रकट किया जाता है कि प्रत्येक सम्पति का कुल सम्पत्तियों का अनुपात, प्रत्येक देयता कुल देयताओं का अनुपात हो, तो इसे समान आकार स्थिति विवरण कहते हैं।

इस प्रकार से समान आकार विवरणों को निम्न तरीके से तैयार किया जा सकता है:

- कुल सम्पत्तियों एवं देयताओं को 100 माना जाता है।
- अलग-अलग सम्पत्तियों की मदों को कुल सम्पत्ति अर्थात 100 के प्रतिशत के रूप में दर्शाया जाता है तथा अलग-अलग देयताओं की गणना भी कुल देयताओं के सम्बन्ध में की जाती हैं।

उदाहरण के लिए : यदि कुल सम्पत्ति ₹ 10 लाख की है तथा स्टॉक का मूल्य ₹ 1,00,000 है। तब स्टॉक कुल सम्पत्ति का 10% होगा। $\left(\frac{1,00,000\times100}{10,00,000}\right)$

समान आकार स्थिति विवरण का प्रारूप

समान आकार स्थिति विवरण
31 मार्च 2014 को

विवरण	*नोट सं.*	*सम्पूर्ण राशि*		*स्थिति विवरण के आगे का प्रतिशत*	
		31 मार्च, 2013 (₹)	*31 मार्च, 2014 (₹)*	*31 मार्च, 2013 (%)*	*31 मार्च, 2014 (%)*
(1)	*(2)*	*(3)*	*(4)*	*(5)*	*(6)*
I. समता एवं देयताएं					
1. अंशधारक कोष					
(क) *अंश पूँजी*					
(i) समता अंश पूँजी		....	....	....	....
(ii) पूर्वाधिकार अंश पूँजी		....	....	....	....
(ख) संचय एवं आधिक्य		....	....	....	....
2. गैर चालू देयताएँ					
(क) दीर्घकालिक ऋण		....	....	....	....
(ख) दीर्घकालिक प्रावधान		....	....	....	....
3. चालू देयताएँ					
(क) अल्पकालिक ऋण		....	....	....	....
(ख) व्यापारिक देयताएँ		....	....	....	....
(ग) अन्य चालू देयताएँ		....	....	....	....
(घ) अल्पकालिक प्रावधान		....	....	....	....
कुल योग		....	....	100	100

II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
(क) *स्थाई सम्पत्तियाँ*					
(i) मूर्त सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
(ii) अमूर्त सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
(ख) गैर चालू निवेश		....	....	....	....
(ग) दीर्घकालिक ऋण व अग्रिम		....	....	....	....
2. चालू सम्पत्तियाँ					
(क) चालू निवेश		....	....	....	....
(ख) रहतिया		....	....	....	....
(ग) व्यापार प्राप्ताएँ		....	....	....	....
(घ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		....	....	....	....
(ङ) अल्पकालिक ऋण एवं अग्रिम		....	....	....	....
(च) अन्य चालू सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
कुल योग		....	....	100	100

उदाहरण 14

XYZ लि. के 31 मार्च 2014 एवं 2013 के नीचे दिए गए स्थिति विवरण से समान आकार का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

स्थिति विवरण

31 मार्च 2014 एवं 2013

विवरण	*नोट सं.*	*31 मार्च, 2014 (₹)*	*31 मार्च, 2013 (₹)*
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक कोष			
(a) अंश पूँजी		10,00,000	5,00,000
(b) संचय एवं आधिक्य		2,00,000	3,00,000
2. गैर चालू देयताएँ			
दीर्घकालिक ऋण		8,00,000	5,00,000
3. चालू देयताएँ			
व्यापारिक देयताएँ		4,00,000	2,00,000
कुल योग		**24,00,000**	**15,00,000**
II. सम्पत्तियाँ			
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ			
स्थाई सम्पत्ति : मूर्त सम्पत्तियाँ		15,00,000	10,00,000
2. चालू सम्पत्तियाँ			
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		9,00,000	5,00,000
कुल योग		**24,00,000**	**15,00,000**

हल :

XYZ लि. का समानाकार स्थिति विवरण
31 मार्च, 2013 एवं 2014 को

विवरण	*नोट सं.*	*परिवर्तन राशि*		*स्थिति विवरण के योग का प्रतिशत*	
		31 मार्च 2013 (₹)	*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (%)*	*31 मार्च 2014 (%)*
(1)	*(2)*	*(3)*	*(4)*	*(5)*	*(6)*
I. समता एवं देयताएँ					
1. अंशधारक कोष					
(a) अंश पूँजी		5,00,000	10,00,000	33.33	41.67
(b) संचय एवं आधिक्य		3,00,000	2,00,000	20.00	8.33
2. गैर चालू देयताएँ					
दीर्घकालिक ऋण		5,00,000	8,00,000	33.34	33.33
3. चालू देयताएँ					
व्यापारिक देयताएँ		2,00,000	4,00,000	13.33	16.67
कुल योग		15,00,000	24,00,000	100.00	100.00
II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
स्थाई सम्पत्ति : मूर्त सम्पत्तियाँ		10,00,000	15,00,000	66.67	62.50
2. चालू सम्पत्तियाँ					
रोकड़ एवं रोकड़ तुलय		5,00,000	9,00,000	33.33	37.50
कुल योग		**15,00,000**	**24,00,000**	**100.00**	**100.00**

नोट : प्रतिशत की गणना समता एवं देयताओं/कुल सम्पत्तियों के योग के आधार पर

$$\text{अंश पूँजी प्रतिशत में (31 मार्च 2013)} = \frac{5,00,000}{15,00,000} \times 100 = 33.33\%$$

इसी प्रकार अन्य प्रतिशत की गणना की जाएगी।

उदाहरण 15

सन लि. के 31 मार्च 2014 एवं 2013 को नीचे दिए गए स्थिति विवरण से समानाकार स्थिति विवरण तैयार करें :

विवरण	*नोट सं.*	*31 मार्च, 2014 (₹)*	*31 मार्च, 2013 (₹)*
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक कोष			
(a) अंश पूँजी		80,00,000	60,00,000
(b) संचय एवं आधिक्य		12,00,000	8,00,000

2. गैर चालू देयताएँ			
दीर्घकालिक ऋण		24,00,000	20,00,000
3. चालू देयताएँ			
अल्पकालिक ऋण		4,00,000	12,00,000
कुल योग		**1,20,00,000**	**1,00,00,000**
II. सम्पत्तियाँ			
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ			
स्थाई सम्पत्तियाँ			
(i) मूर्त सम्पत्तियाँ		80,00,000	60,00,000
(ii) अमूर्त सम्पत्तियाँ		4,00,000	12,00,000
2. चालू सम्पत्तियाँ			
(a) रहतिया		24,00,000	20,00,000
(b) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		12,00,000	8,00,000
कुल योग		**1,20,00,000**	**1,00,00,000**

हल :

सन लि. की समानाकार स्थिति विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014

विवरण	*नोट सं.*	*परिवर्तन राशि*		*स्थिति विवरण के योग का प्रतिशत*	
		31 मार्च 2013 (₹)	*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (%)*	*31 मार्च 2014 (%)*
(1)	*(2)*	*(3)*	*(4)*	*(5)*	*(6)*
I. समता एवं देयताएँ					
1. अंशधारक कोष					
(a) अंश पूँजी		60,00,000	80,00,000	60.00	66.70
(b) संचय एवं आधिक्य		8,00,000	12,00,000	8.00	10.00
2. गैर चालू देयताएँ					
दीर्घकालिक ऋण		20,00,000	24,00,000	20.00	20.00
3. चालू देयताएँ					
अल्पकालिक ऋण		12,00,000	4,00,000	12.00	3.30
कुल योग		**10,00,000**	**1,20,00,000**	**100.00**	**100.00**
II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
स्थाई सम्पत्तियाँ :					
(i) मूर्त सम्पत्तियाँ		60,00,000	80,00,000	60.00	66.70
(ii) अमूर्त सम्पत्तियाँ		12,00,000	4,00,000	12.00	3.30

टिप्पणी

2. चालू सम्पत्तियाँ					
(a) रहतिया		20,00,000	24,00,000	20.00	20.00
(b) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		8,00,000	12,00,000	8.00	10.00
कुल योग		**1,00,00,000**	**1,20,00,000**	**100.00**	**100.00**

सामान आकार आय विवरण

आय विवरण की मदों का विक्रय के प्रतिशत के रूप में विक्रय की प्रत्येक मद से सम्बंध।

समान आकार लाभ-हानि का प्रारूप
(आय विवरण)

विवरण	*नोट सं.*	*परिवर्तन राशि*		*परिचालन से आय का प्रतिशत (शुद्ध विक्रय)*	
		2013 (₹)	*2014 (₹)*	*2013 (%)*	*2014 (%)*
(1)	*(2)*	*(3)*	*(4)*	*(5)*	*(6)*
I. परिचालन से आय (शुद्ध विक्रय)		....	....	....	....
II. अन्य आय		....	....	....	....
III. **कुल आय (I + II)**		....	....	....	....
IV. **व्यय**					
(i) उपभोग्य समाग्री की लागत		....	....	....	....
(ii) व्यापारिक रहतियो का क्रय		....	....	....	....
(iii) रहतिये में परिवर्तन : तैयार माल कार्य प्रगति पर एवं व्यापारिक रहतियाँ		....	....	....	....
(iv) कर्मचारी लाभ व्यय		....	....	....	....
(v) वित्त की लागत		....	....	....	....
(vi) अवक्षय एवं व्यय		....	....	....	....
(vii) अन्य व्यय		....	....	....	....
कुल व्यय		....	....	....	....
V. **कर पूर्व लाभ (III - IV)**		....	....	....	....
VI. *घटा* : आय कर		....	....	....	....
VII. **कर के पश्चात लाभ (V - VI)**		....	....	....	....

उदाहरण : 16

स्टार लि. के 31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के नीचे दिए गए लाभ–हानि विवरण से समान आकर लाभ–हानि विवरण तैयार करें :

विवरण	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
परिचालन से आय	20,00,000	16,00,000
कर्मचारी लाभ व्यय	10,00,000	8,00,000
अन्य व्यय	1,00,000	2,00,000

हल :

समानाकार लाभ-हानि विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	नोट सं.	परिवर्तन राशि		परिचालन से आय का प्रतिशत (शुद्ध विक्रय)	
		2013 (₹)	2014 (₹)	2013 (%)	2014 (%)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
I. परिचालन से आय		16,00,000	20,00,000	100.00	100.00
II. कर्मचारी लाभ व्यय		8,00,000	10,00,000	50.00	50.00
अन्य व्यय		2,00,000	1,00,000	12.50	5.50
III. **कुल व्यय**		10,00,000	11,00,000	62.50	55.00
IV. **कर पूर्व लाभ (I - III)**		**6,00,000**	**9,00,000**	**37.50**	**45.00**

उदाहरण : 17

नीचे दिए गए लाभ–हानि विवरण से समानाकार का लाभ–हानि विवरण तैयार करें और टिप्पणी करें।

विवरण	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
I. **आय**		
परिचालन से आय (शुद्ध विक्रय)	12,50,000	10,00,000
II. **व्यय**		
व्यापारिक रहतिए का क्रय	8,70,000	7,20,000
व्यापारिक रहतिए में परिवर्तन	(20,000)	30,000
अवक्षयण एवं व्यय	30,000	20,000
अन्यय व्यय	50,000	30,000
कुल योग	**9,30,000**	**8,00,000**
III. **कर पूर्व लाभ (I - II)**	**3,20,000**	**2,00,000**
IV. *घटा* : आय कर	96,000	60,000
V. **कर पश्चात लाभ (III - IV)**	**2,24,000**	**1,40,000**

हल :

समानाकार लाभ-हानि विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	*नोट सं.*	*परिवर्तन राशि*		*परिचालन से आय का प्रतिशत (शुद्ध विक्रय)*	
		2013 (₹)	*2014 (₹)*	*2013 (%)*	*2014 (%)*
(1)	*(2)*	*(3)*	*(4)*	*(5)*	*(6)*
I. परिचालन से आय (शुद्ध विक्रय)		10,00,000	12,50,000	100.00	100.00
II. **व्यय**					
(a) व्यापारिक रहतिए का क्रय		7,20,000	8,70,000	72.00	69.60
(b) व्यापारिक रहतिए में परिवर्तन		30,000	(20,000)	3.00	(1.60)
(c) अवक्षण एवं व्यय		20,000	30,000	2.00	2.40
(d) अन्य व्यय		30,000	50,000	3.00	4.00
III. **कुल व्यय**		**8,00,000**	**9,30,000**	**80.00**	**74.40**
IV. **कर पूर्व लाभ (I - II)**		**2,00,000**	**3,20,000**	**20.00**	**25.60**
V. *घटा :* आय कर		60,000	96,000	6.00	7.68
VI. **कर पश्चात लाभ (III - IV)**		**1,40,000**	**2,24,000**	**14.00**	**17.92**

टिप्पणियाँ :

1. व्यापारिक रहतिए के क्रय एवं व्यापारिक रहतिए में परिवर्तन में 75% से 68% तक गिरावट है, इसके बदलाव के दो सम्भावित कारण है :
   i. क्रय एवं उत्पादन विभाग द्वारा अच्छी तरह कार्य किए गए।
   ii. विक्रय मूल्य में वृद्धि बिना उत्पादन की लागत में वृद्धि हुए।
2. विक्रय माल की लागत में कमी के कारण लाभ में वृद्धि।

पाठगत प्रश्न 31.3

रिक्त स्थानों को उचित शब्द से भरिये :

i. ..... विवरण विश्लेषणात्मक प्रतिशत दर्शाता है।
(तुलनात्मक, समान आकार)

ii. ..... स्थिति विवरण की मदों को प्रत्येक सम्पत्ति के कुल सम्पतियों के अनुपात के रूप में प्रत्येक देयता को कुल देयताओं के अनुपात में दर्शाया जाता है।
(तुलनात्मक, सामान आकार)

iii. ..... विश्लेषण वर्षों की सारणी के विभिन्न वित्तीय विवरणों के अध्ययन का एक तकनीक है। (प्रकृति, समान श्रृंखला)

iv. प्रवृत्ति प्रतिशत की ..... वर्ष के आधार पर गणना की जाती है।
(चालू, आधार)

आपने क्या सीखा

- वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का अर्थ है दो वित्तीय विवरणों अर्थात् आय विवरण एवं स्थिति विवरण की विभिन्न मदों के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना।
- वित्तीय विवरणों की सीमाएं :
  (i) दर्शनीयता से प्रभावित
  (ii) मूल्य स्तर में परिवर्तन को नहीं दर्शाता है
  (iii) विभिन्न लेखांकन नीतियां
  (iv) भविष्यवाणी कठिनाई
  (v) वित्तीय विवरणों की सीमाएं
- वित्तीय विवरणों के विश्लेषण में रुचि रखने वाले पक्ष हैं
  (i) निवेशकर्ता (ii) प्रबंधक
  (iii) संघ/श्रम संगठन (iv) ऋणदाता
  (v) व्यापारिक लेनदार (vi) कर्मचारी
  (vii) अधिकारीगण (viii) सरकार
  (ix) स्टॉक एक्सचेंज (x) शोधकर्ता
- वित्तीय विवरण विश्लेषण की प्रमुख तकनीक है :
  (i) प्रतिनिध्यात्मक विश्लेषण
  (ii) समय शृंखला विश्लेषण
  (iii) प्रतिनिध्यात्मक एवं समय शृंखला विश्लेषण
- वित्तीय विवरण विश्लेषण के प्रमुख उपकरण हैं :
  (i) तुलनात्मक विवरण (ii) समान आकार विवरण
  (iii) प्रवृत्ति विश्लेषण (iv) अनुपात विश्लेषण
  (v) कोष प्रवाह विश्लेषण (vi) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण
- वित्तीय विवरणों का तुलनात्मक अध्ययन व्यवसाय के वित्तीय विवरणों का पिछले वर्षों के वित्तीय विवरणों से तुलना करना है।
- तुलनात्मक स्थिति विवरण किसी फर्म की विभिन्न सम्पतियों एवं देयताओं को विभिन्न तिथियों को उनके शेष को अन्य तिथियों के शेष से तुलनात्मक रूप में प्रदर्शित करता है।

- समान आकार स्थिति विवरण की मदों को प्रत्येक सम्पत्ति को कुल सम्पत्तियों के अनुपात तथा प्रत्येक देयता को कुल देयताओं के अनुपात के रूप में दर्शाया जाता है।

पाठान्त प्रश्न

1. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के कोई चार उपकरणों के नाम बताइए।
2. वित्तीय विश्लेषण की मुख्य सीमाएं कौन–कौन सी हैं? विस्तार से वर्णन कीजिए।
3. वित्तीय विवरणों की सीमाएं किस प्रकार से वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सीमाएं बन जाती है?
4. वित्तीय विवरणों के विश्लेषणों की किन्हीं तीन सीमाओं का उल्लेख कीजिए।
5. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सीमाओं को संक्षेप में समझाइए।
6. वित्तीय विवरण विश्लेषण की प्रमुख तकनीक कौन–कौन सी हैं?
7. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण में रुचि रखने वाले विभिन्न पक्षों को समझाइए।
8. तुलनात्मक विवरण, समान आकार विवरण एवं प्रवृत्ति विश्लेषण पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।
9. 31 मार्च 2013 तथा 2014 को राधा लिमिटेड के तुलन पत्र निम्नलिखित हैं :

विवरण	*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (₹)*
I. समता एवं देयताएं		
1. अंशधारक कोष		
(क) अंश पूँजी	15,00,000	10,00,000
(ख) संचय व अतिरेक	10,00,000	10,00,000
2. गैर-चालू देयताएँ		
दीर्घकालिक उधारियाँ	8,00,000	2,00,000
3. चालू देयताएँ		
व्यापारिक देय	5,00,000	3,00,000
कुल	**38,00,000**	**25,00,000**
II. संपत्तियाँ		
1. गैर-चालू देयताएँ		
स्थाई संपत्तियाँ		
(i) मूर्त संपत्तियाँ	25,00,000	15,00,000
(ii) अमूर्त संपत्तियाँ	5,00,000	5,00,000

2. चालू संपत्तिया		
(क) व्यापारिक प्राप्य	6,00,000	3,50,000
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	2,00,000	1,50,000
कुल	**38,00,000**	**25,00,000**

उपरोक्त तुल्य पत्रों में दी गई सूचना के आधार पर आप तुलनात्मक तुलन पत्र बनाइए।

10. दीपांकर लिमिटेड का तुनात्मक तुलन–पत्र बनाइए :

विवरण	***31 मार्च 2014 (₹)***	***31 मार्च 2013 (₹)***
I. समता एवं देयताएं		
1. अंशधारक कोष		
(क) अंश पूँजी	9,00,000	7,50,000
(ख) संचय व अतिरेक	3,30,000	2,85,000
2. गैर-चालू देयताएँ		
दीर्घकालिक उधारियाँ		
12% ऋणपत्र, सुरक्षित	3,00,000	4,50,000
3. चालू देयताएँ		
(क) अल्पकालिक उधारियाँ	1,40,000	1,70,000
(ख) व्यापारिक देय	2,00,000	1,50,000
(ग) अन्य चालू देयताएँ	60,000	45,000
(घ) अल्पकालिक प्रावधान	20,000	10,000
कुल	**19,50,000**	**18,60,000**
II. संपत्तियाँ		
1. गैर-चालू संपत्तियाँ		
(क) स्थाई संपत्तियाँ	9,55,000	10,45,000
(ख) गैर चालू विनियोग	2,00,000	2,00,000
2. चालू संपत्तियाँ		
(क) स्कंध	2,50,000	2,00,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य	2,50,000	2,25,000
(ग) रोकड़ व रोकड़ तुल्य	1,95,000	1,10,000
(घ) अन्य चालू संपत्तियाँ	1,00,000	80,000
कुल	**19,50,000**	**18,60,000**

11. निम्नलिखित लाभ–हानि विवरणों से एक तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण (आय विवरण) बनाइए:

विवरण	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
I. आय		
प्रचालन से आगम (विक्रय)	19,20,000	16,00,000
II. व्यय		
माल का क्रय	11,70,000	9,50,000
माल के स्कंध में परिवर्तन	(10,000)	50,000
कर्मचारी हित व्यय	3,80,000	2,80,000
अन्य व्यय	1,50,000	2,00,000
कुल	**16,90,000**	**14,80,000**
III. निवल लाभ (I - II)	**2,30,000**	**1,20,000**

12. स्टार प्रोडक्ट्स लिमिटेड के 31 मार्च 2014 तथा 2013 को समाप्त होने वाले वर्षों के लाभ–हानि विवरणों से ली गई निम्नलिखित सूचना के आधार पर तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण बनाइए :

विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2014 (₹)
प्रचालन से आगम		50,00,000	40,00,000
कर्मचारी हित व्यय		13,10,000	12,00,000
अन्य व्यय		15,00,000	13,00,000
कर की दर (30%)			

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

31.1 I. (i) आय विवरण अर्थात् लाभ-हानि खाता, स्थिति विवरण अर्थात् तुलन पत्र
(ii) विश्लेषण एवं परिणाम ज्ञात करना
(iii) वित्तीय विवरण
(iv) निर्णय लेना

II. (i) (ग) (ii) (घ) (iii) (ख) (iv) (क)

31.2 (i) वित्तीय विवरणों का विश्लेषण (ii) उपकरण
(iii) तुलनात्मक विवरण (iv) स्थिति विवरण (v) तुलनात्मक

31.3 (i) तुलनात्मक (ii) तुलनात्मक (iii) प्रवृत्ति (iv) आधार